ACMS receives donated bodies for medical teaching and research.

Mrs Chandrakanta Arya, age 78 years, resident of Gurugram is the most recent example.

नई दिल्ली, 19 जून 2018 दैनिक जागरण

वृद्धा की इच्छा का सम्मान कर परिजनों ने किया देहदान

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम: गुरुग्राम में कई ऐसी शख्सियत है जिन्हें मिसाल कहा जा सकता है। जिन्होंने जीवित रहने पर समाज के लिए काम किया और मरने के बाद भी समाज के लिए प्रेरणा दे गए। ऐसी है एक शख्सियत शिवाजी नगर निवासी 78 वर्षीया चंद्रकांता आर्या सोमवार को बैकुंठवासी हो गई। स्व. चंद्रकांता आर्य ने अपने जीवन काल में ही अपने नेत्रदान का संकल्प लिया था। उनके पति नेभराज आर्य और पुत्रों हरीश कुमार एवं बलदेव आर्य ने उनके संकल्प का सम्मान करते हुए उनका कॉर्निया निरामया आई बैंक की मेडिकल टीम को सूचना देकर सौंप दिया। इसके बाद शिवाजी नगर स्थित आर्य समाज मंदिर तक उनकी शव यात्रा निकाली गई। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बाद अंतिम संस्कार की क्रियाएं संपन्न

स्वर्गीय चंद्रकांता • फाइल फोटो

की मगर देह का अग्निदाह नहीं किया बल्कि दिल्ली कैंट स्थित आर्मी मेडिकल कॉलेज में छात्रों के अध्ययन के लिए भेज दिया गया। उनकी शव यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

स्व. चंद्रकांता आर्य समाजसेवी थी। उन्होंने लोगों के घरों में जाकर नेत्रदान को लेकर जागरुकता की थी। जिनके घर मृत्यु हो जाती थी। वह वहां जाकर नेत्रदान कराती रही थी। इसलिए आई बैंक और नेत्रदान से जुड़े संगठनों ने उन्हें दृष्टिदूत की उपाधि दी थी। इस साल फरवरी के महीने में आर्यसमाजी व्यवसायी कन्हैया लाल आर्य की माता यमुना देवी का निधन हुआ था। उन्होंने भी देहदान किया था इसलिए दधिचि देहदान समिति के सौजन्य से उनकी देहदान की गई थी। स्व. चंद्रकांता कन्हैयालाल आर्य की पड़ोसी थी, उन्होंने इस घटना से प्रेरणा लेकर देहदान का संकल्प लिया था। दधिचि देहदान समिति ने स्व. चंद्रकांता आर्य का भी देहदान कराया। उनके पुत्र और पौत्र शहर के व्यवसायी परिवार से संबद्ध रखते हैं। लोगों ने उनके निधन पर शोक जताया है।